RNI No. DDHIN/2021/81605 | संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक | DARE TO SHARE

सुविचार

" मंजिल उन्हीं को मिलती है
जिनके सपनों में जान होती है
पंख से कुछ नहीं होता
हौंसलों से ही उड़ान होती है।"

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || वर्ष 4 || अंक : 43 || दमण गुरुवार, 22 मई 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

7 महीने बाद FIR का 'महाअभियान': पीड़िता की माँ ने सुसाइड तक की धमकी दी, पर पुलिस को 'जागने' में लग गए 210 दिन!

7 महीने बाद हुई FIR ; बच्ची की मां की आत्महत्या की धमकी भी न हिला सकी सिस्टम को!"

"POCSO एक्ट की 'सुपर स्पीड' जस्टिस: डुंगरा पुलिस का 'चुनिंदा संवेदनशीलता'... जहाँ सेमिनार तो होते हैं, पर शिकायतें सुनने वाला कोई नहीं!"

डेयर टू शेयर - डूंगरा, सिलवासा

जहां एक ओर डूंगरा क्षेत्र के स्कूलों में पोक्सो एक्ट और गुड-बैड टच पर जागरूकता सेमिनारों का आयोजन धूमधाम से किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर एक मां अपनी मासूम बच्ची के साथ हुई छेड़खानी की शिकायत के लिए 7 महीने तक दर-दर भटकती रही। सवाल यह है कि क्या जागरूकता सिर्फ बैनरों और कैमरों तक सीमित है?

7 महीने के बाद FIR की रस्म ए अदाई

वापी का डुंगरा क्षेत्र एक बार फिर "न्याय की गति" के लिए चर्चा में है। यहाँ एक 13 वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पुलिस को इसकी FIR दर्ज करने में नवरात्रि से लेकर गर्मी तक का पूरा मौसम बीत गया!

क्या है मामला?

- नवरात्रि के दौरान आरोपी अशोक बिश्नोई ने नाबालिग लड़की को एकांत में बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ की और जान से मारने की धमकी दी।
- पीड़िता ने घटना अपनी माँ को बताई, लेकिन पुलिस ने शिकायत लेने में ऐसी टालमटोल की कि माँ को पुलिस स्टेशन में ही *"सुसाइड की धमकी" देनी पड़ी!
- 7 महीने की जद्दोजहद के बाद, आखिरकार POCSO एक्ट के तहत FIR दर्ज हुई और आरोपी गिरफ्तार हुआ।

पुलिस की 'लाइटनिंग' एक्शन:

- 210 दिन की 'गहन जाँच'* के बाद FIR दर्ज हुई।
- कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं, कोई इंटरव्यू नहीं*—जैसे मामला ही नहीं हुआ!
- स्कूलों में POCSO सेमिनार* चल रहे थे, लेकिन *एक माँ की गुहार सुनने वाला कोई नहीं!*

- "अगर पीड़िता का परिवार मीडिया या सोशल मीडिया पर वायरल नहीं होता, तो क्या FIR कभी दर्ज होती?"
- "क्या यह केस सिर्फ इसलिए दब जाता अगर माँ ने वीडियो बनाकर धमकी नहीं दी होती?"

1. "FIR दर्ज करने में 7 महीने क्यों लगे? क्या पुलिस को 'न्याय का कैलेंडर' ही अलग मिला है?"
2. "क्या आरोपी के पास इतना 'पावरफुल कनेक्शन' था कि शिकायत दबा दी गई?"
3. "जब एक माँ सुसाइड की धमकी देती है, तब भी पुलिस क्यों सोती है?"
4. "क्या POCSO एक्ट सिर्फ सेमिनारों तक ही सीमित है?"

सार्वजनिक सूचना

Public Notice

डेयर टू शेयर (अखबार) / PUBLIC VOICE (यूट्यूब चैनल) के नाम पर कोई भी व्यक्ति या अपने आपको रिपोर्टर कह कर आप से किसी भी प्रकार की धनराशि की माँग करता है या आप को न्यूज के नाम पर ब्लैकमेल करता है, तो कृपया:

1. तुरंत अपने स्थानीय पुलिस को सूचित करें।
2. हमें वॉट्सएप या कॉल 9898109815, 8000360011 पर प्रमाण (स्क्रीनशॉट/रिकॉर्डिंग) के साथ सूचित करें।

हम ऐसी धोखाधड़ी एवं अनैतिक गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं
हम ऐसे अनैतिक और अवैध कार्यों को किसी भी प्रकार से समर्थन नहीं देते हैं। और प्रभावितों के साथ कानूनी कार्रवाई में पूर्ण सहयोग देंगे।
सतर्क रहें | जागरूक रहें | धन्यवाद।

प्रबंधन टीम
डेयर टू शेयर (अखबार)
PUBLIC VOICE (YouTube चैनल)
संपर्क:
मोबाइल नो. 9898109815, 8000360011

नोटः यह सूचना सभी पाठकों, व्यवसायों एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए प्रकाशित की गई है। कृपया इसे साझा करके धोखाधड़ी रोकने में सहयोग करें।

डुंगरा पुलिस ने एक बार फिर साबित किया है कि "न्याय मिलने की गति" उनके लिए ऑक्सीजन से भी धीमी है। जहाँ एक तरफ स्कूलों में "गुड टच-बैड टच" पर सेमिनार होते हैं, वहीं एक मासूम बच्ची की आवाज़ सुनने के लिए 7 महीने का 'स्पेशल टाइम' चाहिए!

FIR सिर्फ रस्म अदायगी बन गई है।

डूंगरा पुलिस स्टेशन को पूरे सात महीने लगे इस मामले में FIR दर्ज करने में। इस दौरान पीड़िता की मां ने थाने के अंदर ही वीडियो बनाकर आत्महत्या की धमकी तक दे डाली थी, फिर भी कार्रवाई के नाम पर “ठेंगा” मिला।

इंस्टा, यूट्यूब... पर SP साहेब श्री' की चुप्पी!

हर छोटी-बड़ी घटना पर प्रेस नोट, बाइट और कैमरे के सामने सक्रिय रहने वाले SP साहेब इस मामले में रहस्यमयी रूप से गायब रहे। न कोई इंटरव्यू आया, न ही कोई आरोपी पत्रकारों के सामने लाया गया। सिर्फ एक अखबार ने इसे उठाया—बाकी सब खामोश क्यों?

परिवार की चप्पलें घिस गईं, अफसरों के दरवाजे थक गए।

बच्ची के माता-पिता ने कई अधिकारियों से गुहार लगाई, पर कोई सुनवाई नहीं हुई। मां का कहना है कि बच्ची का निवेदन कोर्ट में भी दर्ज हो चुका है और उन्होंने उच्च अधिकारियों तक अपनी फरियाद पहुंचाने की कोशिश की, पर हर जगह निराशा ही मिली।

अब सवाल ये हैं:

- आखिर सात महीने तक FIR क्यों लटकी रही?
- क्या आरोपियों को बचाया जा रहा था?
- क्या कोई दबाव था? या कोई सौदा?

प्रशासन जवाब दे: पत्रकार सवाल पूछना नहीं छोड़ेंगे!

हमारा काम है सवाल पूछना, भले ही उस पर आप हमें झूठी FIR से डराने की कोशिश करें। लेकिन इस मामले में हम फिर पूछेंगे—“क्या वजह थी साहेब, जो FIR में 7 महीने लग गए? क्या कुछ मिला था?”

संपादकीय

मनरेगा घोटालों का स्मारक

आज से दस साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में कहा था कि लोग पूछ रहे हैं कि क्या आप मनरेगा योजना बंद करने जा रहे हैं। तो इसका जवाब यह है कि मैं इस योजना को कभी नहीं रोकूंगा, क्योंकि यह कांग्रेस की विफलताओं का स्मारक है। "मोदी संसद में मनरेगा पर" लिखकर, कोई भी यूट्यूब पर उस राजनीतिक रूप से चतुर व्याख्यान को सुन सकता है। लेकिन दुर्भाग्यवश यह योजना अब भाजपा की विफलताओं का स्मारक बनती जा रही है। यह एक स्थापित तथ्य है कि अधिकांश सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती हैं। आम जनता भी इस बात से वाकिफ है कि सरकारी खजाने से निकाले गए 100 रुपए में से कितना पैसा उन तक पहुंचता है। यह प्रमुख परियोजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गयी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। यह योजना इस उद्देश्य से शुरू की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम 100 दिन रोजगार मिले और उन्हें अपनी आजीविका के लिए किसी अन्य योजना पर निर्भर न रहना पड़े। लेकिन भ्रष्टाचार का खुलासा इसके शुरुआती वर्षों में ही होने लगा। भ्रष्ट आचरण को रोकने के लिए कई कदम उठाए गए, लेकिन उन्हें पूरी तरह से रोका नहीं जा सका। इस योजना को बंद करने या इसके स्वरूप में परिवर्तन करने का निर्णय नहीं लिया जा सका क्योंकि इसकी गारंटी संविधान में दी गई है। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का जाल संबंधित विभागों में ही बुना हुआ है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी कार्य कार्यान्वयन दस्तावेज तैयार कर करोड़ों रुपए की कमाई है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध आदि के निर्माण के लिए सामग्री उपलब्ध कराने का ठेका दिया गया था। यह घोटाला इतना बड़ा हो गया है कि इसने राजनीतिक रूप ले लिया है। इस मामले में राज्य के पंचायत एवं कृषि राज्य मंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। उनकी एजेंसियां मनरेगा परियोजनाओं में भी शामिल थीं। उसने काम पूरा किए बिना ही फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत कर भुगतान प्राप्त कर लिया। जिन मनरेगा परियोजनाओं में उसने धोखाधड़ी की, वे देवगढ़ बारिया सहित आदिवासी इलाकों में चल रही थीं। इसके अलावा, फिलहाल जांच में ऐसी पैंतीस एजेंसियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिन्होंने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके 2021 से 2024 के बीच फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इकतीस करोड़ रुपये का भुगतान प्राप्त किया। अब तक ये गिरफ्तारियां एक जिले से मिले तथ्यों के आधार पर की गई हैं, जो जिला ग्रामीण विकास एजेंसी यानी घिघ्य द्वारा की गई जांच के दौरान सामने आए। इसलिए इस बात को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि पूरे प्रदेश में इस योजना के तहत कुल घोटाला कितना बड़ा हुआ होगा। जिन आदिवासी क्षेत्रों में ये परियोजनाएं शुरू की गईं, वहां बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की कल्पना की जा सकती है, लेकिन यह केवल कागजों तक ही सीमित रही। जो भी काम दिखावे के लिए किया जाता है, उसकी गुणवत्ता हमेशा संदिग्ध रहती है। इसमें प्रयुक्त सामग्री और कारीगरी इतनी घटिया है कि सड़कें, पुल आदि पहली ही बारिश में बह जाते हैं। मोरबी ब्रिज जैसी घटनाओं को अक्सर भ्रष्टाचार का परिणाम माना जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा ग्रामीण विकास के नाम पर अनेक योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं, लेकिन इनसे गांवों की सूरत कितनी बदली है, यह गांव के निवासी भलीभांति जानते हैं। ऐसे समय में जब 80 करोड़ से अधिक लोग मुफ्त राशन पर निर्भर हैं, मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना में इतना बड़ा भ्रष्टाचार विकास के दावों का मजाक उड़ाता है। गुजरात को विकास के मॉडल के रूप में प्रचारित किया जाता है। जब यहां स्थिति यह हो गई है तो अन्य राज्यों में इस योजना की स्थिति क्या होगी, इसकी कल्पना की जा सकती है। यह तथ्य कि देवगढ़ बारिया मामले में डाटा क्लर्क द्वारा उच्च सरकारी अधिकारियों के आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल किया गया, बहुत गंभीर संकेत है। विभिन्न सरकारी विभागों में ऑडिट और फोरेंसिक ऑडिट कराने की वास्तविक आवश्यकता है। गुजरात में कुछ सरकारी अधिकारियों के पास अनुपातहीन संपत्ति है। उनमें से कुछ के पास दुधारू मवेशियों के लिए अस्तबल भी हैं। कुछ में अवैध हुक्का बार हैं, जबकि कुछ तो बड़े कारोबारी भी हैं। मनरेगा में हुआ हालिया घोटाला अंदरूनी आग की चिंगारी मात्र है।

संपादक: मनोज रावल

सिलवासा "सांसद कार्यालय की दीवार टूटी... पर चुप्पी की दीवार अब भी सलामत!"

"जनता सवालों में उलझी, सांसद कार्यालय से जवाब नदारद!"

डेयर टू शेयर - सिलवासा

एक ओर सांसद कार्यालय की दीवार प्रशासन द्वारा ढहा दी गई, और दूसरी ओर जनता के मन में उठते सवालों को कोई जवाब नहीं मिला। हाल ही में "डेयर टू शेयर" समाचार संस्था द्वारा सांसद श्रीमती कलाबेन डेलकर को भेजे गए आवेदन में इस मामले पर प्रेस नोट की मांग की गई थी, ताकि फैक्ट्स पर आधारित जानकारी जनता तक पहुंच सके। लेकिन न तो कोई प्रेस नोट प्राप्त हुआ, और न ही आवेदन का कोई उत्तर ही सांसद कार्यालय से आया। प्रश्न यह है कि क्या लोकतंत्र में सवाल पूछना गुनाह है? क्या जनता को यह जानने का हक नहीं कि उनका चुना हुआ प्रतिनिधि, एक संवेदनशील मुद्दे पर क्या रुख रखता है? लेकिन सांसद कार्यालय की चुप्पी ने इन सवालों को एक दीवार से टकरा दिया है – और वो दीवार अब भी नहीं टूटी। जनता में कार्यालय की दीवार का गिरना एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है, लेकिन न सांसद महोदय का कोई बयान आया, न ही प्रेस के प्रश्नों का उत्तर। जवाब न देकर कहीं यह न मान लिया जाए कि "सवाल पूछना ही अपराध है।" "डेयर टू शेयर" का उद्देश्य है कि जनता तक तथ्य पहुंचे, लेकिन जब सूचना के द्वार बंद हों, तब पत्रकारिता भी दीवारों से टकराने जैसा लगता है।

शायद सांसद कार्यालय की दीवार गिराना आसान था, पर जवाबदेही की दीवार अब भी बहुत मजबूत दिख रही है।

इस आवेदन में चार महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा गया था:

1. क्या यह दीवार लीगल थी या अवैध?
2. निर्माण कब हुआ था?
3. क्या तोड़ने से पहले कोई नोटिस दिया गया था?
4. अगर दीवार वैध थी, तो तोड़ने पर क्या कदम उठाए गए?

निष्पक्ष • बेखौफ • निरंतर अखबार
डेयर टू शेयर
DARE TO SHARE
दानह एवं दमन – दीव तथा गुजरात से प्रकाशित – प्रसारित संपूर्ण हिंदी समाचार पत्र
GOVT. OF INDIA REG. RNI NO. DDHIN/2021/81605
PRINT MEDIA - NEWSPAPER

सेवा में,
माननीय सांसद महोदय,
श्रीमती कलाबेन डेलकर जी,
सांसद कार्यालय, सिलवासा
दिनांक 21/05/25

विषय: सांसद कार्यालय की दीवार तोड़े जाने के संदर्भ में प्रेस नोट हेतु निवेदन

महोदय / महोदया,

सविनय निवेदन है कि हमारा समाचार संस्था [डेयर टू शेयर] को प्राप्त सूचना के अनुसार, आपके सांसद कार्यालय की दीवार हाल ही में प्रशासन द्वारा तोड़ी गई है। इस संदर्भ में जनता के बीच कई प्रकार की चर्चाएं और शंकाएं उत्पन्न हो रही हैं। एक जिम्मेदार समाचार पत्र होने के नाते, हम तथ्यात्मक जानकारी जनता तक पहुंचाने हेतु आपसे एक लिखित प्रेस नोट की मांग करते हैं।

कृपया प्रेस नोट में निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रकाश डालने की कृपा करें:
1. क्या सांसद कार्यालय की दीवार विधिसम्मत (लीगल) रूप से बनाई गई थी या अवैध (अनलीगल) थी?
2. यदि वह दीवार लीगल थी, तो इसका निर्माण कब किया गया था?
3. क्या प्रशासन द्वारा इस दीवार को तोड़ने के लिए कोई पूर्व सूचना (नोटिस) दिया गया था? यदि हां, तो वह नोटिस कब और किस रूप में प्राप्त हुआ?
4. यदि दीवार लीगल थी और उसके बावजूद इसे तोड़ा गया है, तो इस कार्रवाई के विरुद्ध आप द्वारा क्या कदम (एक्शन) उठाए जा रहे हैं या भविष्य में उठाए जाएंगे?

आपसे निवेदन है कि उपरोक्त बिंदुओं पर स्पष्टता लाते हुए एक लिखित प्रेस नोट शीघ्र उपलब्ध कराएं, ताकि हम सही और निष्पक्ष जानकारी जनसामान्य तक पहुंचा सकें।
आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी।

भवदीय,
[सोनिया चौहान]
[डेयर टू शेयर]

Mob.: 8000360011, 9898109815 M : dare.media24x7@gmail.com
Reg. Office : 15-78-C6-2, Khariwad, Nani Daman, Daman - 396 210. (UT of DNH & DD)
Branch Office : 304, Silver Point, GIDC, Char Rasta, Vapi - 396 191. Valsad (Gujarat)
DAMAN • VAPI • SILVASSA • KILLA - PARDI • SURAT

70 लोगों ने सिविल डिफेंडर स्वयंसेवक के रूप में शामिल होने में रुचि व्यक्त की

डेयर टू शेयर - वापी

नागरिक सुरक्षा के तहत स्वयंसेवकों के लिए नामांकन पंजीकरण प्रक्रिया सोमवार को वापी शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए पुरुष अध्यापन मंदिर (पीटीसी कॉलेज) में आयोजित की गई। जिसमें वापी शहर और तालुका से कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए। भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के बाद लोगों में देश सेवा का जज्बा बढ़ रहा है। हालाँकि, इन 70 आवेदनों में महिलाएं भी शामिल हैं। वलसाड कलेक्टर को सरकार द्वारा वलसाड जिले का नागरिक सुरक्षा नियंत्रक घोषित किया गया है। सभी तालुका स्तरों पर नागरिक सुरक्षा इकाइयां शुरू की जाएंगी। इसके लिए सोमवार को तालुका मुख्यालय और किसी अन्य तालुका कार्यालय में पंजीकरण किया गया ताकि संबंधित तालुकाओं से 18 वर्ष से अधिक आयु के महिलाओं और पुरुषों को इस सेवा गतिविधि में शामिल किया जा सके। वापी तालुका और शहर के लिए पंजीकरण कार्य बलीठा ओवरब्रिज पीटीसी कॉलेज में किया गया। संपूर्ण पंजीकरण प्रक्रिया का पर्यवेक्षण और प्रबंधन प्रांतीय प्राधिकरण द्वारा किया गया। वापी तालुका और शहर से कुल 70 आवेदन प्राप्त हुए।

नारगोल गांव में अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या करने वाले 21 वर्षीय युवक को सूरत से गिरफ्तार कर लिया गया।

डेयर टू शेयर - उमरगाम

उमरगाम के नारगोल गांव में अपने साथियों के साथ हत्या कर फरार हुए आरोपी को 21 साल बाद सूरत में गिरफ्तार कर लिया गया। रिश्तेदार से मामूली विवाद में मृतक पर चाकू से हमला कर हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया। वलसाड स्थानीय अपराध शाखा ने उमरगाम पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में 21 साल से फरार आरोपी लक्ष्मी शंकर रामसूरत यादव (उम्र 68) को सूरत के परिया, सायण क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी मूल रूप से जौनपुर, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और वर्तमान में चंदन शॉ मिल, देलाद पाटिया, सूरत में रह रहा था। जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर वर्ष 2004 में नरगोल गांव में प्यारेलाल लालता यादव की हत्या कर दी थी। तकनीकी विश्लेषण और मानवीय खुफिया जानकारी के आधार पर एक महीने की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पिछले 10 दिनों से परिया, सायण क्षेत्र पर नजर रख रही थी और स्थानीय मुखबिरों की मदद से आरोपियों की पहचान की। टीम ने मजदूरों के वेश में कंपनियों की जांच की और आरोपियों के अस्तित्व के सबूत हासिल किए। 21 साल पहले जब वह नारगोल में अनाज पीसने वाली मिल में काम करता था, तब मृतक प्यारेलाल यादव भी उमरगाम में एक मिल में काम करता था, इसलिए उसकी आरोपी से जान-पहचान थी। एक रात, मृतक प्यारेलाल नारगोल आये। जब वे बातचीत कर रहे थे, तो मृतक और आरोपी के बीच किसी मुद्दे को लेकर बहस शुरू हो गई। जिसमें मृतक की लकड़ी के हथौड़े से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच के लिए उसे उमरगाम पुलिस को सौंप दिया गया है।

वापी से घर लौटते समय दुर्घटना में मजदूर की मौत

डेयर टू शेयर - वलसाड

नवसारी जिले के खेरगाम तालुका निवासी प्रहलाद अशोकभाई पटेल की एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। रविवार शाम को मजदूरी कर वापी से लौट रहे प्रहलाद पटेल अपनी बाइक संख्या जीजे-21-जे-5572 पर सवार थे। पूरी गति और लापरवाही से सूरत की ओर आ रहे एक अज्ञात टेम्पो चालक ने पार नदी पुल पर एक बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद टेम्पो चालक वाहन लेकर फरार हो गया। इस घटना में प्रहलाद पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर अतुल परनाडी के पास हुई। अब्रामा निवासी

हेमंत कुमार ने दुर्घटना के संबंध में वलसाड ग्रामीण पुलिस स्टेशन में अज्ञात टेम्पो चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। वलसाड ग्रामीण पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार टेम्पो चालक की तलाश कर रही है।

वलसाड में समुद्री सीमा में संदिग्ध नाव पकड़ी गई

डेयर टू शेयर - वलसाड

जाफराबाद तट से 12 समुद्री मील दूर एक संदिग्ध नाव देखे जाने के बाद मछुआरों ने अलर्ट जारी कर दिया। जाफराबाद से बिना नंबर की नाव के भाग जाने के बाद मछुआरों ने मरीन पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने गुजरात के समुद्र तटों पर सभी लैंडिंग पॉइंट्स पर अलर्ट जारी कर दिया था। फिर यह संदिग्ध नाव वलसाड के रावी तट पर मिली, हालांकि सभी एजेंसियां निराश हो गईं क्योंकि उन्हें इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। वलसाड जिले के 70 किलोमीटर लंबे समुद्र तट पर पुलिस अलर्ट पर है। इस बीच, नाव वलसाड तट पर पहुंच गई और पुलिस ने उसे रोक लिया। तटरक्षक हेलीकॉप्टर ने समुद्र में नाव का पता लगाया। जांच में पता चला कि 'रवि' नाम की यह नाव वलसाड की है। नाव पर सवार दो लोग भी वलसाड के स्थानीय मछुआरे हैं। नाव क्षतिग्रस्त होने के कारण उसमें से धुआं निकल रहा था, जिससे अन्य मछुआरों में गलतफहमी पैदा हो गई। वलसाड जिला एसओजी और एलसीबी पुलिस की एक टीम ने दोनों मछुआरों को हिरासत में लिया है। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा दोनों मछुआरों से गहन पूछताछ की जा रही है। विभिन्न एजेंसियां भी जांच में शामिल हो गई हैं।

वलसाड में ट्रक डिवाइडर फांदकर टेम्पो से टकराया

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड के पारनेरा हाईवे पर जैन देरासर के पास एक गंभीर हादसा हुआ है। मोरबी से मुंबई टाइलें ले जा रहे एक ट्रक (MH-43-CE-8077) के चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक डिवाइडर से उछल गया और सामने से आ रहे एक टेम्पो (DD-09-K-9323) से टकरा गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि टेम्पो चालक वाहन में फंस गया। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। 108 एंबुलेंस की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से टेंपो चालक को बाहर निकाला। दुर्घटना के कारण मुंबई-सूरत राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया। वलसाड ग्रामीण पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची और बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों को हटाकर यातायात व्यवस्था बहाल की। दोनों घायल वाहन चालकों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस इस दुर्घटना की आगे की जांच कर रही है।

वलसाड में दमकल विभाग ने रस्सी की मदद से 65 वर्षीय व्यक्ति को दूसरी मंजिल से बचाया

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड शहर के तिथल रोड पर पुराने आरटीओ कार्यालय के पास स्थित कंचन गंगा अपार्टमेंट में एक बुजुर्ग व्यक्ति को बचाने के लिए फायर ब्रिगेड ने सफल बचाव अभियान चलाया। बी विंग निवासी 65 वर्षीय राजूभाई शाह कल रात घर पर अकेले थे। जब वे बालकनी में गए तो स्लाइडिंग खिड़की बंद हो गई और वे बालकनी में फंस गए। राजेशभाई ने स्लाइडिंग खिड़की खोलने के कई प्रयास किये। जब खिड़की नहीं खुली तो उसने आसपास के लोगों से मदद के लिए आवाज लगाई। अपार्टमेंट के निवासियों ने तुरंत अपार्टमेंट के अध्यक्ष को सूचित किया। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका पार्षद आशीषभाई को इसकी सूचना दी। आशीषभाई ने तुरंत वलसाड फायर ब्रिगेड को फोन किया। फायर ब्रिगेड के बकुलभाई तीसरी मंजिल की बालकनी से रस्सी के सहारे दूसरी मंजिल पर पहुंचे और बुजुर्ग व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला।

वलसाड के KFC (Sapphire Foods India Limited) में ग्राहकों को परोसा गया बासी बर्गर, फूड सेफ्टी टीम ने तीन दिन के लिए सस्पेंड किया लाइसेंस

वापी-दमन क्षेत्र के अन्य होटल-रेस्टोरेंट पर भी होगी कड़ी नजर

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड के डुंगरी हाईवे पर स्थित KFC (Sapphire Foods India Limited) रेस्टोरेंट में खाद्य सुरक्षा मानकों की गंभीर लापरवाही पाई गई है। फूड सेफ्टी विभाग की टीम ने जांच में पाया कि यहां ग्राहकों को बासी बर्गर परोसे गए थे और डाइनिंग एरिया में मक्खियों का उपद्रव था। इसके बाद रेस्टोरेंट का लाइसेंस तीन दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। फूड सेफ्टी ऑफिसर ए.आर. वलवी, बी.के. पटेल और आर.एम. पटेल की टीम ने रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया, जिसमें चिकन बकेट और स्पाइसी चिकन क्रिस्पर बर्गर के सैंपल लिए गए। साथ ही, कच्चे माल के भी नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए, जिनमें डेविंसी हेज़लनट सिरप, नियो कुलिनरी ब्लैक सॉस, नियो फूड्स पिकल्ड डिल स्लाइस, क्रेमिका मेयोनीज़ और टेस्टक्राफ्ट मोजिटो सिरप शामिल हैं।

क्या कार्रवाई हुई?

1. 3 दिन के लिए लाइसेंस सस्पेंड
2. सुधार न होने तक बंद रखने की नोटिस
3. लैब रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई

वापी और आसपास के होटल-रेस्टोरेंट्स पर भी नजर

इस घटना के बाद फूड सेफ्टी विभाग ने वापी और आसपास के इलाकों में अन्य केफे और होटल्स पर भी सख्त निगरानी बढ़ाने का फैसला किया है। विभाग ने कहा कि "लोगों को सुरक्षित और शुद्ध भोजन मिले, इसके लिए ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस पॉलिसी अपनाई जाएगी।" ये खबर Sapphire Foods India Limited (KFC) के खिलाफ नकारात्मक प्रभाव वाली है और खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी को उजागर करती है। साथ ही, यह वापी और आसपास के क्षेत्रों में अन्य फूड आउटलेट्स पर सख्त निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

दमन की कंपनी में सुरक्षा उपकरणों के अभाव में मजदूर की पतरा से गिरकर मौत

डेयर टू शेयर - दमन

दमन की एक कंपनी में सुरक्षा साधनों के बिना पतरा पर चढ़कर काम कर रहे एक मजदूर की गिरने से मौत हो गई। इस घटना में कॉन्ट्रैक्टर की गंभीर लापरवाही सामने आई है, जिसके खिलाफ पीड़ित के परिजनों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वापी के लवाछा इलाके से कॉन्ट्रैक्टर मजदूरों को दमन और आसपास की कंपनियों में काम करवाने के लिए ले जाते हैं। मंगलवार को भी लवाछा से एक मजदूर को दमन के भीमपोर स्थित "चिनोवो ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स" नामक कंपनी में ले जाया गया था, जहां उसे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के पतरा पर चढ़कर काम करने को कहा गया। काम के दौरान मजदूर अचानक नीचे गिर गया और उसे वापी के अस्पताल में भर्ती कराया गया। सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण उसे सेलवास सिविल अस्पताल में शिफ्ट किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि कॉन्ट्रैक्टर ने सुरक्षा साधन उपलब्ध नहीं कराए, जिसके चलते यह हादसा हुआ। अब उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

> चिनोवो ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी और कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही पर सवाल"

राज्य का सपना या चुनावी स्टंट?

आठवले को याद आया वलसाड – दमन-दीव को 'राज्य' बनाकर गुजरात का टुकड़ा जोड़ने की मांग!

"राज्य का सपना या चुनावी छलावा? दमन-दीव को राज्य बनाने की मांग में वलसाड को भी घसीटा गया!"

डेयर टू शेयर - दमन/वलसाड

चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते हैं, नेताओं के वादों की झोली उतनी ही गहरी होती जाती है। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को दमन दौरे के दौरान एक नई राजनीतिक स्क्रिप्ट पेश की — दमन-दीव और दादरा नगर हवेली को नया राज्य बनाया जाए, और उसमें गुजरात का वलसाड जिला भी शामिल किया जाए। आठवले ने यह भी कहा कि वे इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करेंगे और जरूरत पड़ी तो आंदोलन भी करेंगे। साथ ही, आगामी पंचायत और नगरपालिका चुनावों को लेकर यह भी घोषणा कर डाली कि यदि भाजपा ने आरपीआई को पर्याप्त सीटें नहीं दीं तो उनकी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। सवाल उठता है कि क्या यह मांग जनहित में है या जनभावनाओं के साथ खिलवाड़? क्योंकि ना तो जनता की राय ली गई, और ना ही राज्य पुनर्गठन जैसे गंभीर मुद्दे पर कोई ठोस खाका पेश किया गया।

"चुनाव आए, सपनों के सौदागर लौटे – आठवले को अब वलसाड याद आया!"

राजनीति या प्रहसन?

राजनीतिक गलियारों में आठवले के इस बयान को चुनावी शिगूफा बताया जा रहा है।
"वलसाड को एक राज्य में शामिल करने की बात तब क्यों नहीं की गई जब वहां विकास की जरूरत थी? अब चुनाव सामने हैं, तो नक्शा ही बदलने की बात हो रही है," एक स्थानीय निवासी ने कटाक्ष किया।

सपनों के सौदागर फिर लौटे!

चुनाव आते ही नेताओं को विकास, अधिकार और नया राज्य याद आने लगता है। ऐसे में आठवले की यह "राज्य मांग" को लेकर क्षेत्र की जनता का एक बड़ा तबका इसे सियासी नौटंकी बता रहा है। आरपीआई जैसी पार्टियां अक्सर बीजेपी की सहयोगी रही हैं, लेकिन चुनावों के समय खुद को अलग दिखाकर दबाव बनाना इनकी पुरानी राजनीति रही है।

सीट नहीं मिली तो अकेले लड़ेंगे चुनाव!

आठवले ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि अगर भाजपा ने उनकी पार्टी को पर्याप्त चुनावी सीटें नहीं दीं, तो वे सभी सीटों पर खुद लड़ेंगे। अब यह बयान भाजपा के लिए सिरदर्द बन सकता है या महज एक और राजनीतिक सौदेबाजी, यह आने वाला वक्त बताएगा।

"दमन-दीव को राज्य और वलसाड को जोड़ो" – मुद्दा या मखौल?

विशेषज्ञ मानते हैं कि इस मांग में कानूनी, प्रशासनिक और राजनीतिक व्यावहारिकता का पूर्ण अभाव है।
"जब वोट चाहिए तो नेता बड़े-बड़े नक्शे खींचते हैं, लेकिन जनता अब समझदार है," एक वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा।

वलसाड में अंतरराज्यीय गिरोह का आरोपी गिरफ्तार, स्कोडा कार बरामद; दो आरोपी अभी भी फरार हैं।

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड सिटी पुलिस ने पिछले अप्रैल माह में वलसाड शहर के मणिबाग सोसायटी में हुई चोरी का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के मुख्य आरोपी मल्लाग सऊद शेख को महाराष्ट्र के नयानगर से गिरफ्तार किया है। चोरी हुई स्कोडा रैपिड कार भी बरामद कर ली गई है। शिकायतकर्ता देवानंद लाखाभाई अहीर द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार कुल रु. कल्पेशभाई पटेल के किराए के बंगले से एक घड़ी और एक कार सहित 100 करोड़ रुपये की चोरी हो गई। 2.10 लाख रुपए का सामान चोरी हो गया। एसपी डॉ. करणराज वाघेला और डीवाईएसपी ए.के. वर्मा के मार्गदर्शन में पीआई दिनेश परमार की टीम ने जांच शुरू की। निगरानी पीएसआई डीएस पटेल की टीम ने 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि आरोपी कर्नाटक से हुंडई आई20 कार में आए थे। इस गिरोह के खिलाफ 100 से अधिक अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने कॉल डिटेल, बैंक रिकॉर्ड और अन्य जानकारी के आधार पर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दो आरोपी मंजूनाथ उर्फ मंजा केलकरे और शोहेल उर्फ मोहम्मद इब्राहिम अभी भी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

उमरगाम के करम्बेला में भूमि अधिग्रहण को लेकर विवाद

डेयर टू शेयर - उमरगाम

करम्बेला भूमि मार्ग को लेकर रंजिश के चलते तीन लोगों द्वारा एक घर पर पत्थर फेंके जाने, उसे क्षतिग्रस्त करने तथा जान से मारने की धमकी दिए जाने के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। उमरगाम के करम्बेला महायावंशी फलिया में रमीला बेन ठाकोरभाई हलपति अपने बेटे और बहू के साथ छत बनाने के लिए मजदूरों को बुला रही थीं। मुकेश, कल्पेश और अमृत हलपति ने जमीन पर सड़क होने के कारण छत का काम रोकने को कहा। हालांकि, जब छत पर काम चल रहा था, तो तीनों व्यक्तियों ने श्रमिकों को घर से बाहर जाने से रोकने के लिए घर पर पत्थर फेंके, जिससे घर और छत को नुकसान पहुंचा। तीन लोग घर में आये और दरवाजा तोड़ दिया। हालांकि, जब दरवाजा नहीं खुला तो 100 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। जब तक पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक तीनों लोग जा चुके थे। घटना के संबंध में रमीलाबेन ठाकोरभाई हलपति ने तीनों के खिलाफ भिलाड पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस ने शिकायत ले ली है और उसके बयान के आधार पर आगे की जांच कर रही है। कौन सही है यह पुलिस जांच में सामने आएगा।

वलसाड शहर में 10 टीपी सड़कों को चौड़ा करने में नगर पालिका विफल

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड मनपा सीमा के अंतर्गत दो-तीन संकरी सड़कों को चौड़ा करने के लिए शासकों द्वारा 15 वर्ष पूर्व कार्रवाई किए जाने के बाद, आज तक, मनपा शासकों के अनाड़ी प्रबंधन के कारण अन्य मुख्य सड़कों पर टीपी-चौड़ाई वाली सड़कों के लिए कार्रवाई करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। यहां तक कि वलसाड जैसे मात्र 1.17 लाख की आबादी वाले छोटे शहर में भी सड़क की चौड़ाई का मुद्दा सतह पर आ गया है। तथा कुछ पूर्व शासकों ने राजस्व क्षेत्रों से गुजरने वाली सड़कों को टीपी नियमों के अनुसार चौड़ा करने के लिए दो-तरफा सड़क के मामले में रुचि ली थी, लेकिन तब से किसी भी शासक ने कोई ठोस प्रयास करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिससे शहर में यातायात की समस्या लगातार बनी हुई है। वलसाड नगरपालिका द्वारा समय-समय पर सड़कों से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए कोई कार्रवाई नहीं किए

जाने के कारण नगरपालिका को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि लोग अपने वाहनों को सड़क पर पार्क कर अपना काम निपटाने के लिए आतुर रहते हैं, इसलिए उन्हें यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों के कारण ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ता है। इसलिए इन सड़कों को चौड़ा करने में नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही के कारण समस्या बनी हुई है। वलसाड के बाजार में पुराना किला क्षेत्र होने के कारण नानीखत्रीवाड की ओर आते समय सुबह और शाम दो घंटे यातायात की समस्या चिंताजनक बनी रहती है। अब वाहनों की संख्या तो बढ़ती ही रहेगी, लेकिन इसे थोड़ा चौड़ा करने की जरूरत है। सड़कों पर वाहनों की संख्या बढ़ रही है और आगे भी बढ़ती रहेगी। समय की मांग है कि सत्तारूढ़ पार्टी ऐसी योजना बनाए कि यातायात डायवर्ट हो जाए। प्रारंभिक स्थिति के बावजूद कोई ठोस योजना न होने से संकरी सड़कों को लेकर जनता में रोष है।

माउंट लिट्रा जी स्कूल नरौली-सिलवासा का गौरवशाली प्रदर्शनः बोर्ड परीक्षा 2025 में छात्रों की उत्कृष्ट सफलता

10वीं व 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रचा कीर्तिमान, 98% तक अंक प्राप्त कर स्कूल व यूटी का नाम किया रोशन

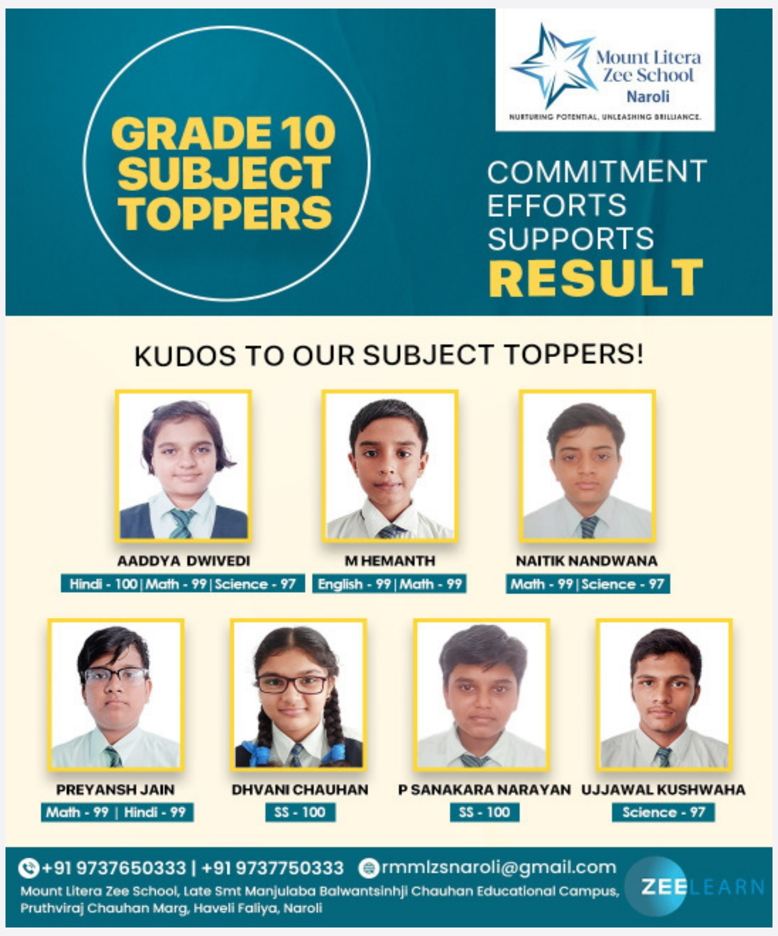

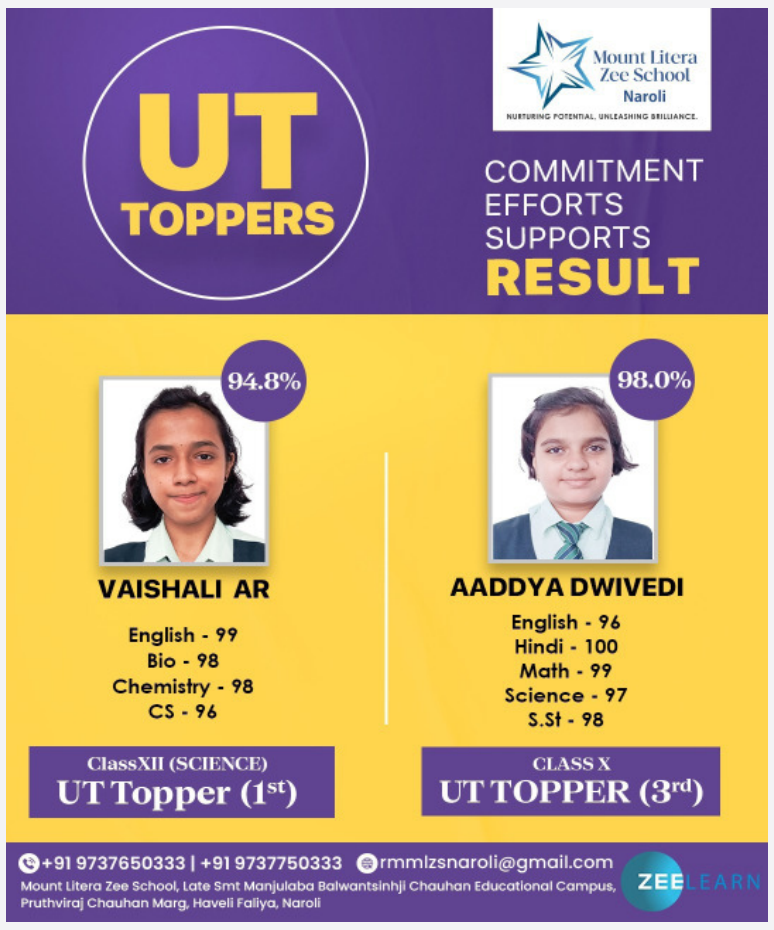

डेयर टू शेयर - सिलवासा

माउंट लिट्रा जी स्कूल, नरौली-सिलवासा के विद्यार्थियों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे केंद्र शासित प्रदेश (UT) में विद्यालय का नाम ऊँचा किया है। कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने अनुशासन, परिश्रम और उत्कृष्ट मार्गदर्शन के दम पर बेहतरीन परिणाम प्राप्त किए।

10वीं कक्षा की टॉपर बनीं आद्या द्विवेदी – 98% के साथ यूटी स्तर पर तीसरा स्थान

कक्षा 10वीं में आद्या द्विवेदी ने 98% अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर का स्थान प्राप्त किया और यूटी स्तर पर तीसरी रैंक हासिल की। हिंदी विषय में उन्होंने शत-प्रतिशत (100/100) अंक प्राप्त किए। साथ ही ध्वनि चौहान और पी. शंकरा नारायणन ने सामाजिक विज्ञान (Social Studies) में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर शैक्षणिक उत्कृष्टता की मिसाल पेश की।

127 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 21% छात्रों ने 90% से अधिक, 33% ने 80% से अधिक, 28% ने 70% से अधिक, और 25% ने 60% से अधिक अंक प्राप्त किए।

12वीं साइंस स्ट्रीम की टॉपर वैशाली – 95% के साथ यूटी में प्रथम स्थान

12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय में वैशाली ने 95% अंक अर्जित कर न केवल स्कूल टॉप किया, बल्कि यूटी स्तर पर प्रथम स्थान भी हासिल किया। उनके साथ प्रज्ञा शर्मा, वृष्टि शर्मा, रिया राठौड़, आस्था चौहान, शिवतांक नेगी, गोकुल प्रभार, सुवर्णा चौधरी, मेहुल गुप्ता और विदुषी ओमार ने भी उच्च अंक प्राप्त कर स्कूल और अपने माता-पिता का गौरव बढ़ाया।

12वीं कॉमर्स व ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में जीतिका शाह टॉपर

कॉमर्स और ह्यूमैनिटीज स्ट्रीम में जीतिका शाह ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर टॉप किया। उनके साथ सुहानी जैन, धार्मित भंडारी, केरेन जॉर्ज, और प्रजनसिंह ठाकुर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मेहनत का प्रमाण दिया।

विद्यालय प्रबंधन, प्रिंसिपल और शिक्षक वर्ग की सराहना

विद्यालय के प्रिंसिपल ने सभी छात्रों को उनकी इस सफलता पर हार्दिक बधाई दी और कहा कि "यह उपलब्धि विद्यार्थियों की निष्ठा, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। हम निरंतर गुणवत्ता शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को लगातार प्रोत्साहित करते हुए उन्हें आत्मविश्वास और दिशा प्रदान की, जिससे इस सफलता की नींव रखी गई।

विद्यालय प्रबंधन ने सभी छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

माउंट लिट्रा जी स्कूल, नरौली-सिलवासा ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और कठोर मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इन विद्यार्थियों की यह सफलता न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित ।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।